# Bajrang Baan PDF Hindi

## ।। दोहा ।।

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, विनय करें सनमान । तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्ध करें हनुमान।।

## ।। चौपाई ।।

जय हनुमंत संत हितकारी, सुन लीजै प्रभु अरज हमारी ।

जन के काज विलम्ब न कीजे, आतुर दौरि महासुख दीजै ।

जैसे कूदि सिंधु बही पारा, सुरसा बदन पैठि बिस्तारा ।

आगे जाइ लंकिनी रोका, मारेहु लात गई सुर लोका ।

जाये विभीषण को सुख दीन्हा, सीता निरखि परम पद लीन्हा ।

बाग़ उजारि सिंधु मह बोरा, अति आतुर यम कातर तोरा ।

अक्षय कुमार को मारि संहारा, लूम लपेटि लंक को जारा ।

लाह समान लंक जरि गई, जय जय धुनि सुर पुर मह भई ।

अब बिलम्ब केहि कारण स्वामी, कृपा करहु उर अंतर्यामी ।

जय जय लक्ष्मण प्राण के दाता, आतुर होइ दुःख करहुँ निपाता ।

जय गिरिधर जय जय सुख सागर, सुरसमूह समरथ भटनागर ।

ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले, बैरहि मारु बज्र की कीले ।

गदा बज्र लै बैरहि मारो, महाराज प्रभु दास उबारो ।

ॐ कार हुंकार महावीर धावो, बज्र गदा हाउ विलम्ब न लावो ।

ॐ ह्रीं ह्रीं हनुमंत कपीसा, ॐ हूं हूं हूं हनु अरिउर शीशा ।

सत्य होउ हरि सपथ पायके, रामदूत धरु मारु धाय के ।

# Bajrang Baan PDF Hindi

जय जय जय हनुमंत अगाधा, दुःख पावत जन केहि अपराधा ।

पूजा जप तप नेम अचारा, नहि जानत कछु दास तुम्हारा ।

बन उपवन मग गिरि गृह माही, तुमरे बल हम डरपत नाही ।

पाय परौं कर जोरि मानवो, यह अवसर अब केहि गेहरावो ।

जय अंजनि कुमार बलवंता, शंकर सुवन धीर हनुमंता ।

बदन कराल काल कुल घालक, राम सहाय सदा प्रति पालक ।

भूत प्रेत पिसाच निशाचर, अग्नि बैताल काल मारीमर ।

इन्हे मारुं तोहि सपथ राम की, राख नाथ मर्यादा नाम की ।

जनक सुता हरि दास कहावो, ताकि शपथ बिलम्ब न लावो ।

जय जय जय धुनि होत अकाशा, सुमिरत होत दुःसह दुःख नाशा ।

चरण शरण करि जोरि मानवो, यही अवसर अब केहि गोहरावौं ।

उठु उठु चलु तोहि राम दोहाई, पाँय परौं कर जोरि मनाई ।

ॐ चं चं चं चंपल चलन्ता, ॐ हनु हनु हनु हनु हनुमंता ।

ॐ हं हं हाँक देत कपि चंचल। ॐ सं सं सहम पराने खल दल ।

अपने जन को तुरत उबारो, सुमिरत होय आनंद हमारो ।

यहि बजरंग बाण जेहि मारे, ताहि कहो फिरी कौन उबारो ।

पाठ करें बजरंग बाण की, हनुमत रक्षा करें प्राण की ।

यह बजरंग बाण जो जापै, तेहिते भूत प्रेत सब कापें ।

धुप देय अरु जपे हमेशा, ताके तन नहि रहें कलेशा ।

# Bajrang Baan PDF Hindi

## ।। दोहा ।।

प्रेम प्रतीतिहि कपि भजे, सदा धरें उर धयान। तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्धि करें हनुमान।

PDFmap4u.com